बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल

भाग ब– माईनर– प्रश्न पत्र– 1			
स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम	कक्षाः– बी.ए.	वर्ष/सत्र तृतीय वर्ष	सत्र 2023–24

विषय : संस्कृत

1	पाठयक्रम का कोड	AB-SANS2T	
2	पाठयक्रम का शीर्षक	**संस्कृत खण्ड काव्य**	
3	पाठयक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल.....)	कोर कोर्स	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite)		
5	पाठयक्रम अध्ययन की परिलब्धियॉ (कोर्स लर्निंग आउट कम) (CLO)	1 गीतिकाव्य विधा का अवबोध कराना। 2 संदेश और दौत्य प्रेषण की कला का विकास। 3 भारत के सांस्कृतिक भूगोल से छात्रों को अवगत कराना। 4 छात्रों में कल्पना शक्ति और रचनाधर्मिता का विकास 5 प्रेमतत्व और सौन्दर्य की उत्कृष्टता का बोध। 6 संस्कृत कवियों की रसाभिव्यञ्जना से परिचित कराना। 7 प्रकृतिस्वरूप की विविधता का बोध	
6	क्रेडिट मान	6+0 = 6	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक : 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 35

भाग ब– पाठयक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– ट्यूटोरियल– प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में) : **L-T-P : 3 घंटे**

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
प्रथम	खण्ड काव्य का लक्षण एवं प्रमुख खण्ड काव्यों का सामान्य परिचय।	18
द्वितीय	ऋतुसंहार–(महाकवि कालिदास) ग्रीष्मवर्णन 1 से 20 पद्य व्याख्या एवं सम्पूर्ण ऋतुसंहार पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न।	18
तृतीय	मेघदूतम– (महाकवि कालिदास) 1 से 30 पद्य व्याख्या तथा सम्पूर्ण रचना पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न	18
चतुर्थ	अ) भृंगदूतम्– पूर्वभाग (स्वामी रामभद्राचार्य रचित) 1–20 पद्य व्याख्या एवं समस्त रचना पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न। ब) देवदूतम्– पूर्वभाग (सुधाकर शुक्ल रचित)– 1–20 पद्य व्याख्या एवं समस्त रचना पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न।	18
पंचम	उपर्युक्त रचनाकारों का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व। **नोट–** संस्कृत का द्वितीय वर्ष में मेजर और माइनर (पूर्वापेक्षा) प्रश्न पत्रों के रूप में अध्ययन किया गया है।	18
सार बिंदु (की वर्ड)/टैग :		

भाग स–अनुशंसित अध्ययन संसाधन

05/01/2023

पाठय पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठय संसाधन/पाठय सामग्री :

1 मेघदूतम्– महाकवि कालिदास।
2 ऋतुसंहारम्– महाकवि कालिदास।
3 भृंगदूतम्– स्वामी रामभद्राचार्य।
4 देवदूतम्– पं. सुधाकर शुक्ल, कविकलाय दतिया।
5 संस्कृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय।
6 संस्कृत साहित्य का इतिहास, कपिलदेव द्विवेदी।
7 संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी।
8 संस्कृत साहित्य की रूपरेख डॉ. नानूराम व्यास।
9 देवदूतम् की समीक्षा– डॉ. सीताराम रावत
10 संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि
11 संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, आचार्य रामजी उपाध्याय, प्रकाशन–रामनारायण लाल विजय कुमार, कटरा रोड, इलाहाबाद।
12 संस्कृत साहित्य की दूतकाव्य परम्परा, आचार्य केशव प्रसाद मुसलगांवकर।
13 संस्कृत के संदेश काव्य– डॉ. रामकुमार आचार्य, अजमेर, राजस्थान।
14 संस्कृत दूत काव्य परम्परा– डॉ. रूद्रदेव त्रिपाठी, मंदसौर।
15 संस्कृत गीतिकाव्य का विकास--डॉ. परमानंद मिश्र, विवेक प्रकाशन, अलीगढ़।
16 रामायाण– महर्षि वाल्मीकिकृत।

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठयक्रम

भाग द– अनुशंसित मूल्यांकन विधियाँ

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ
अधिकतम अंक : 100
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 70

आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE)	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 15 कुल अंक : 30
आंकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 0' 00 घंटे	अनुभाग (अ) : I अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक **70**

05/01/2023